## **EXERCISES**

- 1) Recite or write down the following paradigms.
- a) the sG of गुण-
- b) the du of श्लोक-
- c) the pl of दूत-
- d) the pl of फल-

Nom	गुण:	श्लोकौ	दूताः	फलानि
Voc	गुण	श्लोकौ	दूताः	फलानि
Acc	गुणम्	श्लोकौ	दूतान्	फलानि
Inst	गुणेन	श्लोकाभ्याम्	दूतै:	फलैः
Dat	गुणाय	श्लोकाभ्याम्	दूतेभैः	फलेभै:
Abl	गुणात्	श्लोकाभ्याम्	दूतेभैः	फलेभै:
Gen	गुणस्य	श्लोकाभ्याम्	दूतानाम्	फलानाम्
Loc	गुणे	श्लोकयोः	दूतेषु	फलेषु

- १) पुरुषेण m, sg, Instr (человеком)
- २) दूत m, sg, Voc (о, гонец)
- ३) युद्धे n, sg, Loc (в битве)
- ४) नृपात् m, sg, Abl (от царя)
- ५) वेदाय m, sg, Dat (Веде)
- ६) क्षेत्राणि n, pl, Nom/Асс (поля)
- ७) व्याघ्रैः m, pl, Instr (тиграми)
- ८) वचनेषु n, pl, Loc (в словах)
- ९) शूरस्य m, sg, Gen (героя)
- १०) बालान् m, pl, Acc (мальчиков)
- ११) ईश्वरः m, sg, Nom (владыка)
- १२) गुणैः m, pl, Instr (качествами)
- १३) फलेन n, sg, Instr (плодом)
- १४) सुखौ नरौ m, du, Nom/Acc/Voc (два хороших человека)
- १५) वनम् n, sg, Nom/Acc (лес)
- १६) क्षत्रियैः m, pl, Instr (кшатриями)
- १७) पुरुष m, sg, Voc (о, человек)
- १८) जनान् m, sg, Acc (человека)
- १९) धर्मात् m, sg, Abl (от дхармы)
- २०) झानेन n, sg, Instr (знанием)
- २१) दूतम् m, sg, Acc (вестника)
- २२) श्लोकानाम् m, pl, Gen (шлок)
- २३) पुत्राणाम् m, pl, Gen (сыновей)
- २४) मित्रयोः m, du, Loc (в (двух) друзьях)
- २५) गृहात n/m, sg, Abl (из дома)
- २६) ईश्वराय n, sg, Dat (владыке)
- २७) बालेन प्रियेण m, sg, Instr (милым ребёнком)

- 3) Identify the case that Sanskrit would use for the English expressions below, and translate them into Sanskrit.
- a) of the masters m, pl, Gen ईश्वरानाम्
- b) through knowledge n, sg, Instr झनेन
- c) in a forest n, sg, Loc वने
- d) (I see) a lion m, sg, Acc सिंहम्
- e) through fame m, sg, Instr श्लोकेन
- f) two words (were said) n, du, Nom वचने
- g) the lion (roars) m, sg, Nom सिंहः
- h) o evil master! m, sg, Voc पाप ईश्वर
- i) to the city n, sg, Acc नगरम्/पुरम्
- j) for (the sake of) a reward n, sg, Gen फलस्य
- k) because of the fight n, sg, Abl युद्धात्
- l) in the two fields n, du, Loc क्षेत्रायोः
- m) boys! m, pl, Voc बाला:
- n) from the two houses n/m, du, Abl गृहाभ्याम्
- o) in the cities n, pl, Loc नगरेषु/पुरेषु
- p) for the people m, pl, Dat जनेभ्यः

## 4) Translate into English.

Note: In sentences of the type 'A is B', Sanskrit often does not use a form of 'to be'. In the English translation, a form of this verb may thus need to be inserted. For example: +House big. → The house is big. Also, Sanskrit prose typically puts genitives in front of nouns they depend on (as in the English 'the master's (genitive) voice (main/"head" noun)'); verbs tend to appear last in a sentence. (See below for a more detailed account of this.)

- १) ईश्रस्य गृहं विशामः । во владыки дом заходим.
- २) बालः ईश्रस्य गृहे किं करोति । Ребёнок во владыки доме что делает?
- ३) बालौ अश्भ्यां सह वनं विशतः । два ребёнка с двумя лошадьми в лес заходят.
- ४) बालाः पुरुषस्य वचनानि बोधन्त हृष्यन्ति च । Дети человека слова понимают и принимают.
- ५) ईश्र किम् इच्छसि । чего владыка желаешь?
- ६) बालः देवस्य गुणान् स्मरति । ребёнок бога качества помнит.
- ७) शूरौ युद्धात् मित्रं भरतः । два героя от битвы друга удерживают.
- ८) देवः अत्र वने इति बालः बोधित । бог здесь в лесу, так ребёнок понимает.
- ९) नृपाय जनाः बालाः इव परियाः । царю люди детям подобно любимы.
- १०) अपि बालस्य मित्राणि शूराणि पापानि वा । ребёнка друзья герои или злодеи?
- ११) अश्वः नरं बालौ च विना् नगरं प्रति भरति । Конь человека и двух детей из леса к городу везёт.
- १२) शूराः नराः अपि सिंहौ वने पश्यथ । Герои люди даже двух львов в лесу вы видите
- १३) बालः मित्रस्य वचनानि न स्मरित । ребёнок друга слова не помнит.
- १४) अश्वः युद्धात् हृष्यन्त इति शूरः बोधित Іконь в битве получен, так герой понимает.
- २५) अपि नरः अश्वः च व्यघ्रान् पश्यतः । человек и конь тигров видят (оба)
- १६) ईश्राः पापानां नराणाम् अश्वान् हरन्ति गृहान् च लुम्पन्ति Івладыки злых людей лошадей забирают и дома грабят.
- १७) वृक्षे एव फलानि पश्यामि । на дереве лишь плоды вижу.
- १८) इंह युद्धे पापान् शूरान् च जनान् पश्यामि ।здесь в битве злодеев и героев-людей вижу.

The Order of Life on Earth

## द्विविधानि इह भूतानि त्रसानि स्थावराणि च

Два вида здесь существ есть – движущиеся и неподвижные जरायुजानां प्रवराः मानवाः पशवः च (...) ॥ ११ ॥

Рождённые из утробы лучшие - люди и домашние животные

The Best Possible Gift न गोप्रदानं न महीप्रदानं न च अन्नदानं हि तथा प्रधानम् । ни дар коров, ни дар земли , ни дар еды не так важен यथा महाप्रदानं सर्वप्रदानेषु अभयप्रदानम् ॥ как величайший дар из всех даров – бесстрашие.